



Indraprastha College for Women

University of Delhi

6th

ROUND TABLE CONFERENCE ON GANDHI

**An Inter-college
competition**

Theme:
Gandhi After Gandhi

Date: 16 October 2019
Time: 10:00 a.m. onwards
Venue: Conference Hall

About Round Table Conference on Gandhi

We are delighted to announce the Inter-College chapter of I.P. College Round Table Conference on Gandhi, to be held on 16 October 2019 at Indraprastha College for Women, 31 Shamnath Marg, Civil Lines, Delhi.

Indraprastha College for Women is the oldest women's college of the University of Delhi, and has completed 95 years. Established in the year 1924, it intersected with the times of towering figures of the Indian National Movement. This included the College's special engagement with Gandhi's call of Quit India. In 1942, in response to Gandhi's ideals, the College founded its Charkha Society with the student union and teachers donating charkhas, on which khadi was woven collectively by college community.

In 2014, the College as it entered its Centenary Decade, reiterated the importance of value-based education, centred on the figure of Gandhi. This resulted in the First Round Table Conference (RTC) on Gandhi. Envisaged as a decade-long event, the College has completed five highly successful rounds of the RTC. This year, the conference expands to its next level with an Inter-College event. We believe that some of the best ideas lie in the minds of our students, for they not only inherit the past but also shape the future. The College invites students from colleges to participate.

Dr Babli Moitra Saraf
Principal

यह बताते हुए हमें अत्यंत गर्व का अनुभव हो रहा है कि इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय द्वारा अंतर-महाविद्यालय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन इस वर्ष आगामी 16 अक्टूबर 2019 को किया जा रहा है। अपनी स्थापना के 95 वर्ष पूर्ण कर चुके इन्द्रप्रस्थ महाविद्यालय को दिल्ली विश्वविद्यालय का सबसे प्राचीन महिला महाविद्यालय होने का गौरव प्राप्त है। 1924 में अपने स्थापना वर्ष से ही राष्ट्रीय आन्दोलन के अनेक महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों की कर्मस्थली रहा है जिसमें से एक 1942 में गांधी जी द्वारा 'भारत छोड़ो' आन्दोलन में भागीदारी भी है। गांधी के आदर्शों को आधार बनाकर महाविद्यालय ने विद्यार्थी संघ एवं शिक्षकों के साथ मिलकर चरखा समिति की स्थापना की जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थी और शिक्षकों ने सामूहिक रूप से भाग लेते हुए खादी बुनने का कार्य किया। 2014 में अपने शताब्दी दशक में प्रवेश के दौरान महाविद्यालय ने मूल्य-आधारित शिक्षा के महत्त्व पर बल देते हुए गांधी को अपने प्रतीक पुरुष के रूप में स्वीकार किया जिसका सुपरिणाम पहले गोलमेज सम्मेलन के रूप में सामने आया। पूरे दशक के विस्तृत कार्यक्रम के रूप में प्रस्तावित इस सम्मेलन के 5 सफल आयोजन किए जा चुके हैं। इस वर्ष, यह सम्मेलन अपने स्वरूप को विस्तार देते हुए अंतर-महाविद्यालय रूप में प्रवेश कर रहा है। हमें इस बात पर पूर्ण विश्वास है कि विद्यार्थी सबसे बेहतरीन विचारों को उकेरने में समर्थ हैं क्योंकि अतीत से लेकर भविष्य को संवारने की क्षमता उनके भीतर है। इसी विचार के साथ महाविद्यालय सभी विद्यार्थियों को इस सम्मेलन में भाग लेने हेतु आमंत्रित करता है।

डॉ बाबली मोइत्रा सराफ
प्रधानाचार्य

Concept Note

Various Gandhis, as political psychologist Ashish Nandy observes, have survived Mohandas Karamchand Gandhi's death. As a figure he has been lifted from history and now an assortment of 'Gandhis' are 'living' after 30 January 1948. One way of making sense of these Gandhis is to draw Weberian 'ideal-types' of various conceptions of him which float, in India and the world, after his death. These include, for instance, Gandhi of the Indian State and Gandhi of those who resist the Indian State, Gandhi of the Left and Gandhi of the Right, Gandhi of 'ashram' Gandhians and Gandhi of grassroots movements, Gandhi of 'Nathuram Godses' and Gandhi of 'Nelson Mandelas', and Gandhi of the textbooks and the 'university' and Gandhi of 'WhatsApp university' and the social media. In these conceptions, appropriations and denouncements Gandhi has been reinvented in various ways - from a symbol of lofty ideals to merely one with tokenism and symbolic value, from a deeply political Gandhi to apolitical gentle Gandhi, from a secular Gandhi to a 'communal' Gandhi and so on.

Thus Gandhi after Gandhi, comes off in many forms - often via competing political paradigms which open up a complex discourse to academically engage with, or even with the common man's perception and thinking. On another front, as a person, Gandhi has been depicted in various art forms, from movies to literature, from songs to stories, from statues to stamps, from currency to murals, from spectacles to the stick, across the world after his mortal remain have been consigned to the Panch-tattva. Be it the Gandhi cap or the 'utopian' Ram-rajya, Gandhi lingers today with rich political meanings. More than seven decades after his death it is also interesting to see what remains practiced and unpracticed in Gandhi.

In short, whatever happened to Gandhi after him, his 'afterlife', is the subject matter of this round table. Within the perspective of the given topic, 'Gandhi after Gandhi', participants are encouraged to interpret it in innovative, and in introspective ways, to submit mentored papers.

Themes

1. Gandhi after Gandhi: appropriations, denouncements, reinventions.
2. Gandhi in symbols and Gandhi as symbol after Gandhi
3. (Un)practiced Gandhi after Gandhi
4. Gandhi in Art after Gandhi
5. What is left in Gandhi after Gandhi

राजनैतिक मनोविश्लेषक आशीष नंदी के कथन के अनुसार मोहन दास करमचंद गांधी की मृत्यु के बाद उनकी विरासत में न जाने कितने ही गांधी देखे जा सकते हैं। 30 जनवरी 1948 के बाद गांधी इतिहास के एक प्रतीक पुरुष बन गए और तब से अब तक गांधी के अनेक रूप इस समाज में मौजूद हैं। इन सभी भावों में सबसे प्रमुख स्थान उस आदर्शवादी विचार का है जिनका प्रचार और प्रसार उनकी मृत्यु के बाद भारत और पूरे विश्व में हुआ। इसके अंतर्गत गांधी अपने विविधता के साथ मौजूद हैं, जैसे भारतीय गणराज्य के गांधी और भारतीय गणराज्य के विचार के प्रतिरोधियों के गांधी, वामपंथ के गांधी और दक्षिणपंथ के गांधी, आश्रम के गांधी, जमीनी आंदोलनों के गांधी और गांधीवादी, नाथूराम गोडसे के गांधी और नेल्सन मंडेलाओं के गांधी, पाठ्य पुस्तकों, विश्वविद्यालयों के गांधी, व्हाट्सएप विश्वविद्यालय और सोशल मीडिया के गांधी। इन सभी विनियोगों, मान्यताओं और निंदाओं में गांधी को बार-बार पुनरान्वेषित किया गया है - कहीं वे आदर्श के प्रतीक हैं तो कहीं केवल संकेत मात्र तो कहीं वे गुणवत्ता की खान, कभी राजनैतिक गांधी और गैर-राजनैतिक गांधी तो कभी धार्मिक अथवा धर्मनिरपेक्ष गांधी।

इस आधार पर 'गांधी के बाद गांधी' विषय कई रूपों में देखा जा सकता है जिसका एक रूप राजनैतिक मिसाल के तौर पर अकादमिक जगत में अनेक जटिल विमर्शों को खड़ा करता है और दूसरा रूप आम जनता की मान्यताओं और विचारों से निर्मित होता है। एक अलग ही दृष्टि से गांधी एक व्यक्ति के रूप में अलग-अलग कलाओं में प्रस्तुत किए गए हैं - फिल्मों से साहित्य तक, गीतों से कहानियों तक, मूर्तियों से स्टैम्प तक, मुद्रा से भित्तियों तक, चश्मों से छड़ी तक गांधी मौजूद हैं भले ही उनका भौतिक शरीर पञ्चतत्व में विलीन हो चुका है। गांधी टोपी हो या रामराज्य की यूटोपीय अवधारणा आज गांधी के होने के अनेक राजनैतिक अर्थ स्वीकृत हो चुके हैं। उनकी मृत्यु के सात दशकों के बाद यह देखना भी अत्यंत रोचक होगा कि गांधी को लेकर आज व्यवहार में क्या अपनाया गया और क्या छोड़ दिया गया है।

संक्षेप में गांधी के जाने के बाद के 'उत्तरजीवन' को इस गोलमेज सम्मलेन का विषय बनाया गया है। दिए गए विषय 'गांधी के बाद गांधी' के परिदृश्य के भीतर विद्यार्थियों को यह अनुमति होगी कि वे अपने शिक्षकों के दिशानिर्देश में अपने प्रपत्र को अभिनव और विश्लेषणात्मक तरीके से प्रस्तुत करें।

उपविषय :

1. गांधी के पश्चात गांधी: विनियोग, निंदा एवं पुनरान्वेषण
2. गांधी के पश्चात प्रतीकों में गांधी और गांधी एक प्रतीक
3. गांधी के पश्चात (अ)व्यवहृत गांधी
4. गांधी के पश्चात कला क्षेत्र में गांधी
5. गांधी के बाद गांधी कहाँ

Rules and Schedule

Abstracts- The interested students will be required to submit an abstract of approximately 250 words. The schedule is as follows:

Abstract Submission Deadline : 18 September 2019
Abstract Acceptance Notification : 23 September 2019
Participation Confirmation : 25 September 2019
Full Paper Submission : 13 October 2019

Abstracts may be sent to rtc@ip.du.ac.in

Fee - There is no registration fee.

Format - Presentations will be Oral, for 12-15 minutes.
MS Power Point (for visual media) may also be used.

Prizes - The RTC is a competitive event with handsome prizes:

First Prize : Rs 10,000/-
Second Prize : Rs 7,000/-
Third Prize : Rs 5,000/-

Venue of the Conference

Conference Hall, Indraprastha College for Women,
31 Sham Nath Marg, Civil Lines, Delhi- 110054.

Email id - rtc@ip.du.ac.in

RTC Team

Dr Babli Moitra Saraf	Chair person
Dr Jyoti Trehan Sharma	Convenor
Dr Harsh Bala Sharma	Member
Ms Swaha Das	Member
Dr Praveen Dhanda	Member
Dr Shashank Chaturvedi	Member
Ms Chhavi Arora	Student member
Ms Fabi Mathur	Student member
Ms Banchana Rajkumari	Student member

Contacts:

Dr Jyoti Trehan Sharma:	9811567087
Ms Chhavi Arora:	9711885425:
Ms Fabi Mathur:	8130145403:
Ms Banchana Rajkumari:	8135072702: